साम्राज्यों का उदय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» साम्राज्य क्या होता है?

प्रश्न 1 (आसान). एक 'राज्य' और 'साम्राज्य' में सबसे बड़ा अंतर क्या है?
उत्तर – एक राज्य छोटा होता है और साम्राज्य कई राज्यों को मिलाकर बड़ा होता है।

प्रश्न 2 (आसान). साम्राज्य का शासक कौन होता है?
उत्तर – साम्राज्य का शासक सम्राट होता है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर एक शक्तिशाली राजा अपने पड़ोसी राज्य को जीत लेता है, तो उसके राज्य में क्या बदलाव आता है?
उत्तर – उसका राज्य अब एक साम्राज्य में बदल सकता है, क्योंकि अब वह एक से ज़्यादा राज्यों पर राज कर रहा है।

प्रश्न 4 (कठिन). साम्राज्य के अधीन राज्य सम्राट को भेंट क्यों देते थे?
उत्तर – ये भेंटें उनकी अधीनता, निष्ठा और सम्मान का प्रतीक होती थीं, और यह दिखाती थीं कि वे सम्राट की सर्वोच्च सत्ता को स्वीकार करते हैं।

» साम्राज्य की मुख्य विशेषताएं और विस्तार के कारण

प्रश्न 5 (आसान). साम्राज्य का मुखिया कौन होता है?
उत्तर – सम्राट

प्रश्न 6 (आसान). साम्राज्य में कानून बनाने का काम कौन करता था?
उत्तर – शासक/सम्राट

प्रश्न 7 (मध्यम). राजा अपना साम्राज्य क्यों फैलाना चाहते थे? कोई एक कारण बताओ।
उत्तर – अपनी आर्थिक और सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए, या पूरे विश्व पर शासन की महत्वाकांक्षा के कारण।

प्रश्न 8 (कठिन). कला और ज्ञान को प्रोत्साहन देना एक साम्राज्य के लिए क्यों ज़रूरी था?
उत्तर – यह साम्राज्य को सिर्फ ताकतवर ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध बनाता था, जिससे उसकी पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ती थी।

» व्यापार, व्यापारिक मार्ग और श्रेणियाँ (गिल्ड्स)

प्रश्न 9 (आसान). प्राचीन भारत में व्यापार की किन्हीं दो प्रमुख वस्तुओं के नाम बताओ।
उत्तर – वस्त्र और मसाले।

प्रश्न 10 (आसान). व्यापारी और शिल्पकार मिलकर जो संगठन बनाते थे, उसे क्या कहते थे?
उत्तर – श्रेणियाँ या गिल्ड्स।

प्रश्न 11 (मध्यम). गिल्ड्स बनाने से व्यापारियों को क्या फायदा होता था?
उत्तर – उन्हें सामूहिक शक्ति मिलती थी, वे मिलकर नियम बना पाते थे और जानकारी तथा संसाधनों को साझा कर पाते थे।

प्रश्न 12 (कठिन). साम्राज्य को बनाए रखने में व्यापार और व्यापारिक मार्गों की क्या भूमिका थी?
उत्तर – व्यापार से साम्राज्य को कर के रूप में धन मिलता था, जिससे सेना और प्रशासन का खर्च चलता था। व्यापारिक मार्ग दूर के क्षेत्रों को जोड़ते थे और आर्थिक समृद्धि लाते थे, जो साम्राज्य की स्थिरता के लिए ज़रूरी थी।

» मगध का उदय और नंद वंश

प्रश्न 13 (आसान). मगध राज्य किस नदी घाटी में स्थित था?
उत्तर – मगध राज्य गंगा नदी घाटी में स्थित था।

प्रश्न 14 (आसान). नंद वंश के संस्थापक कौन थे?
उत्तर – नंद वंश के संस्थापक महापद्मनंद थे।

प्रश्न 15 (मध्यम). मगध के उत्थान में लोहे के क्या योगदान थे?
उत्तर – लोहे से मजबूत कृषि उपकरण (जैसे 'iron ploughs') और बेहतर हथियार बनते थे, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ा और सेना अधिक शक्तिशाली हुई।

प्रश्न 16 (कठिन). धनानंद के अलोकप्रिय होने के क्या कारण थे, और इसका नंद वंश के पतन पर क्या असर पड़ा?
उत्तर – धनानंद अपनी प्रजा का 'exploitation' यानी शोषण करता था, जिससे वह अलोकप्रिय हो गया। उसकी इस अलोकप्रियता के कारण मौर्य साम्राज्य के उदय का रास्ता खुला और नंद वंश का पतन हो गया।

» यवनों (ग्रीक) का आगमन और अलेक्जेंडर का अभियान

प्रश्न 17 (आसान). सिकंदर किस देश से भारत आया था?
उत्तर – ग्रीस (यूनान)

प्रश्न 18 (आसान). सिकंदर का प्रसिद्ध युद्ध किस भारतीय राजा से हुआ था?
उत्तर – राजा पोरस

प्रश्न 19 (मध्यम). सिकंदर की सेना ने भारत में आगे बढ़ने से क्यों मना कर दिया था?
उत्तर – सिकंदर की सेना लगातार लड़ाइयों से थक चुकी थी और आगे गंगा के मैदानों में और भी शक्तिशाली भारतीय साम्राज्यों (जैसे नंद वंश) की खबर सुनकर वे डर गए थे।

प्रश्न 20 (कठिन). सिकंदर के अभियान का भारतीय इतिहास पर क्या 'long-term impact' (दीर्घकालिक प्रभाव) पड़ा?
उत्तर – सिकंदर के अभियान ने उत्तर-पश्चिमी भारत में राजनीतिक 'fragmentation' (विखंडन) को उजागर किया और बाद में 'Chandragupta Maurya' जैसे शासकों को एक 'unified empire' (एकजुट साम्राज्य) बनाने के लिए प्रेरित किया। इससे भारत और 'Greek culture' (यूनानी संस्कृति) के बीच 'cultural exchange' (सांस्कृतिक आदान-प्रदान) भी बढ़ा।

» शक्तिशाली मौर्य साम्राज्य का उदय

प्रश्न 21 (आसान). मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की?
उत्तर – चंद्रगुप्त मौर्य ने।

प्रश्न 22 (आसान). चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु और सलाहकार का क्या नाम था?
उत्तर – कौटिल्य (या चाणक्य/विष्णुगुप्त)।

प्रश्न 23 (मध्यम). चंद्रगुप्त मौर्य ने मगध में किस राजवंश का अंत किया?
उत्तर – नंद वंश का।

प्रश्न 24 (कठिन). सिकंदर के भारत से लौटने के बाद मौर्य साम्राज्य के उदय का क्या महत्व था?
उत्तर – मौर्य साम्राज्य के उदय ने भारतीय उपमहाद्वीप को एक 'unified and powerful rule' के तहत लाया, जिससे राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला। यह 'decentralized small kingdoms' से 'centralized large empire' की ओर एक बड़ा कदम था।

» कौटिल्य की राज्य संबंधित अवधारणा और सप्तांग सिद्धांत

प्रश्न 25 (आसान). कौटिल्य की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम क्या है?
उत्तर – अर्थशास्त्र

प्रश्न 26 (आसान). सप्तांग सिद्धांत में 'सप्त' का क्या अर्थ है?
उत्तर – सात

प्रश्न 27 (मध्यम). कौटिल्य के अनुसार, 'अर्थशास्त्र' का मतलब सिर्फ 'economics' क्यों नहीं था?
उत्तर – उस समय 'अर्थशास्त्र' का मतलब 'राज्यों को चलाने का विज्ञान' या 'science of governance and statecraft' था, जिसमें रक्षा, प्रशासन, न्याय जैसे कई विषय शामिल थे।

प्रश्न 28 (कठिन). सप्तांग सिद्धांत के किन्हीं दो अंगों को 'इंटरडिपेंडेंट' (आपस में जुड़े हुए) कैसे कह सकते हैं? उदाहरण देकर समझाएं।
उत्तर – जैसे 'राजा' (स्वामी) और 'अमात्य' (मंत्री)। एक 'राजा' कितना भी अच्छा हो, अगर उसके पास 'wise' और 'efficient' 'अमात्य' नहीं हैं, तो वह 'राज्य' को ठीक से 'govern' नहीं कर पाएगा। इसी तरह, 'अमात्य' कितने भी अच्छे हों, अगर 'राजा' उनकी बात नहीं सुनता या 'decisions' नहीं लेता, तो उनका काम 'ineffective' हो जाएगा। दोनों एक-दूसरे पर 'depend' करते हैं।

» सम्राट अशोक: शांति का चयन करने वाला राजा

प्रश्न 29 (आसान). सम्राट अशोक कौन थे?
उत्तर – सम्राट अशोक चंद्रगुप्त मौर्य के पोते थे और मौर्य साम्राज्य के एक महान शासक थे।

प्रश्न 30 (आसान). सम्राट अशोक के जीवन का कौन सा युद्ध सबसे महत्वपूर्ण मोड़ था?
उत्तर – सम्राट अशोक के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ 'कलिंग युद्ध' था।

प्रश्न 31 (मध्यम). कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने क्या निर्णय लिया?
उत्तर – कलिंग युद्ध की भीषण तबाही देखकर सम्राट अशोक ने युद्ध त्याग दिया और शांति तथा अहिंसा का मार्ग चुना, यानी उन्होंने 'धम्म' को अपनाया।

प्रश्न 32 (कठिन). सम्राट अशोक के 'धम्म' से आप क्या समझते हैं? यह केवल एक धर्म क्यों नहीं था?
उत्तर – सम्राट अशोक का 'धम्म' केवल एक धर्म नहीं था, बल्कि यह अच्छे आचरण और नैतिकता का एक 'code of conduct' था। इसमें बड़ों का आदर, दया, सच्चाई, और जानवरों के प्रति करुणा जैसे सार्वभौमिक मूल्य शामिल थे, ताकि सभी लोग शांति और सद्भाव से रहें। यह किसी एक पूजा पद्धति तक सीमित नहीं था।

» मौर्य काल में जीवन, कला और वास्तुकला

प्रश्न 33 (आसान). मौर्य काल में लोग मुख्य रूप से क्या खाते थे?
उत्तर – खेती से उपजा अनाज।

प्रश्न 34 (आसान). मौर्य काल में बने किस प्रसिद्ध स्तंभ का ऊपरी हिस्सा भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है?
उत्तर – सारनाथ स्तंभ।

प्रश्न 35 (मध्यम). मौर्य काल में शहरों की क्या खास बात थी? 'नगरों' के बारे में पाठ में क्या कहा गया है?
उत्तर – शहर 'भली-भांति योजनाबद्ध थे और सड़कों पर पहचान सूचक लगे होते थे'। यानी, शहर बहुत व्यवस्थित और सुनियोजित थे।

प्रश्न 36 (कठिन). मौर्य काल की आर्थिक व्यवस्था में कृषि के अलावा और किस चीज़ का योगदान था? 'व्यवसाय' के बारे में क्या जानते हो?
उत्तर – कृषि के अलावा 'एक सुव्यवस्थित कराधान प्रणाली और संगठित व्यापार' भी था, जिससे 'राजकोषीय तंत्र' मजबूत था। 'कारीगर' और 'व्यापारी' भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

» साम्राज्यों की दुर्बलताएँ और पतन के कारण

प्रश्न 37 (आसान). साम्राज्य के पतन का एक 'internal reason' बताओ।
उत्तर – कमजोर शासक या अंदरूनी झगड़े।

प्रश्न 38 (आसान). क्या 'natural disasters' साम्राज्यों के 'decline' में भूमिका निभाते थे?
उत्तर – हाँ, जैसे सूखा या बाढ़।

प्रश्न 39 (मध्यम). जब 'local rulers' अपनी 'power' बढ़ाने की कोशिश करते थे, तो इससे साम्राज्य पर क्या 'effect' होता था?
उत्तर – इससे साम्राज्य की केंद्रीय शक्ति कमजोर होती थी और साम्राज्य बिखरने लगता था।

प्रश्न 40 (कठिन). विशाल साम्राज्यों को बनाए रखने के लिए किन 'administrative challenges' का सामना करना पड़ता था, जो अंततः उनके पतन का कारण बने?
उत्तर – इतने बड़े क्षेत्र में 'law and order' बनाए रखना, 'revenue collection' करना, 'communication' सही रखना और 'local rebellions' को दबाना, ये सब 'challenges' थे। अगर 'administration' कमज़ोर पड़ता था, तो 'control' खत्म हो जाता था।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. अगर एक राजा सिर्फ अपने नगर पर शासन कर रहा है, और दूसरा राजा अपने नगर के साथ-साथ पाँच पड़ोसी राज्यों पर भी शासन कर रहा है, तो इनमें से कौन 'साम्राज्य' चला रहा है?

› पहला राजा केवल अपने नगर पर शासन कर रहा है, मतलब वह एक 'राज्य' चला रहा है।

› दूसरा राजा अपने नगर के साथ-साथ पाँच पड़ोसी राज्यों पर भी शासन कर रहा है।

› जैसा कि हमने सीखा, 'साम्राज्य' अनेक छोटे-छोटे राज्यों का एक संघ होता है, जिस पर एक शक्तिशाली शासक राज करता है।

उत्तर – तो दूसरा राजा 'साम्राज्य' चला रहा है, क्योंकि उसने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया है।

उदाहरण 2. अगर एक राजा एक विशाल साम्राज्य स्थापित करना चाहता है, तो उसे किन दो मुख्य विशेषताओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा और क्यों?

› सबसे पहले, उसे 'सम्राट की केंद्रीय प्रभुता' पर ध्यान देना होगा। अगर सम्राट की बात सब नहीं मानेंगे, तो साम्राज्य एकजुट नहीं रह पाएगा।

› दूसरा, उसे एक 'मजबूत प्रशासनिक तंत्र' बनाना होगा। बिना अच्छे अधिकारियों और नियमों के, इतना बड़ा साम्राज्य चलाना असंभव है। कौन कर (tax) वसूलेगा, कौन कानून व्यवस्था देखेगा, यह सब ज़रूरी है।

› इन दोनों के बिना, भले ही राजा कितनी भी ज़मीन जीत ले, वह उसे संभाल नहीं पाएगा और साम्राज्य बिखर जाएगा।

उत्तर – राजा को 'सम्राट की केंद्रीय प्रभुता' और 'मजबूत प्रशासनिक तंत्र' पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा, क्योंकि इनके बिना विशाल साम्राज्य को नियंत्रित करना और चलाना असंभव है।

उदाहरण 3. प्राचीन भारत में व्यापार के लिए कौन से दो प्रमुख मार्गों का उपयोग होता था? इनके क्या फायदे थे?

› सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि पुराने समय में यात्रा करना आज जितना आसान नहीं था। इसलिए, सुरक्षित और जाने-पहचाने रास्ते बहुत ज़रूरी थे।

› प्राचीन भारत में दो मुख्य व्यापारिक मार्ग थे: पहला 'उत्तरापथ' जो उत्तर भारत को पूरब और पश्चिम से जोड़ता था, और दूसरा 'दक्षिणापथ' जो उत्तर भारत को दक्षिण से जोड़ता था।

› इन मार्गों पर कई बड़े शहर और बंदरगाह बसे थे। 'उत्तरापथ' जैसा मार्ग हिमालय की तराई से होकर जाता था और 'दक्षिणापथ' प्रायद्वीपीय भारत के बीच से गुजरता था।

› इन मार्गों से न केवल सामान का लेन-देन होता था, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और नए विचारों का भी 'exchange' होता था। इससे राजाओं को 'revenue' मिलता था, और लोगों को अलग-अलग 'products' मिलते थे।

› इन मार्गों के फायदे यह थे कि ये सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करते थे, अधिक 'goods' ले जाने में मदद करते थे, और

दूर-दराज के इलाकों को आपस में जोड़ते थे, जिससे पूरे साम्राज्य में 'prosperity' यानी समृद्धि आती थी।

उत्तर – प्राचीन भारत में व्यापार के लिए दो प्रमुख मार्ग 'उत्तरापथ' और 'दक्षिणापथ' थे। इनके मुख्य फायदे सुरक्षित और आसान परिवहन, विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ना, राजस्व में वृद्धि और सांस्कृतिक आदान-प्रदान थे।

उदाहरण 4. मगध के उत्थान के किन्हीं तीन प्रमुख कारणों की व्याख्या करें।

› पहला कारण था 'भौगोलिक स्थिति' – मगध गंगा नदी के उपजाऊ मैदानों में स्थित था। 'fertile plains' का मतलब है कि वहाँ अच्छी खेती होती थी, जिससे 'surplus food production' यानी अतिरिक्त अनाज पैदा होता था। जब खाने की कमी नहीं होती, तो लोग व्यापार और बाकी चीज़ों पर ध्यान दे पाते हैं।

› दूसरा कारण था 'प्राकृतिक संसाधन' – मगध के आसपास लोहे की खदानें थीं, जिससे मजबूत हथियार और कृषि के औजार जैसे 'iron ploughs' बनते थे। साथ ही, वहाँ घने जंगल थे जहाँ से अच्छी लकड़ी और हाथी मिलते थे। हाथी सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे।

› तीसरा कारण था 'व्यापारिक लाभ' – गंगा और सोन जैसी नदियाँ 'water transport' के लिए इस्तेमाल होती थीं, जिससे व्यापार करना बहुत आसान हो गया था। इससे राज्य की 'income' बढ़ी और वो और शक्तिशाली बन गया।

उत्तर – इस तरह, उपजाऊ भूमि, प्रचुर संसाधन (लोहा, लकड़ी, हाथी) और आसान व्यापारिक मार्ग – इन तीनों ने मिलकर मगध को एक शक्तिशाली साम्राज्य बनने में मदद की।

उदाहरण 5. सिकंदर का भारत अभियान कब हुआ था और उसका भारतीय राजाओं पर क्या प्रभाव पड़ा?

› पहला कदम: हमें याद रखना होगा कि सिकंदर का भारत अभियान '326 BC' के आसपास हुआ था।

› दूसरा कदम: वह 'north-western India' में आया, जहां 'small kingdoms' यानी छोटे-छोटे राज्य थे। ये राज्य आपस में लड़ते रहते थे, इसलिए 'they were not united' – एकजुट नहीं थे।

› तीसरा कदम: सिकंदर का सबसे प्रसिद्ध मुकाबला 'King Porus' (राजा पोरस) के साथ हुआ था, जो झेलम नदी के पास हुआ था। पोरस ने 'fought bravely' (बहादुरी से लड़ाई लड़ी), जिससे सिकंदर भी प्रभावित हुआ।

› चौथा कदम: भारतीय राजाओं पर इसका प्रभाव यह पड़ा कि 'Alexander's invasion' (सिकंदर के आक्रमण) ने उन्हें सिखाया कि 'unity is strength' – एकता में बल है। इससे बाद में 'Maurya Empire' जैसे बड़े साम्राज्यों के उदय का रास्ता खुला, क्योंकि उन्हें समझ आया कि अगर वे एकजुट नहीं होंगे तो कोई भी बाहर से आकर उन्हें जीत सकता है।

उत्तर – सिकंदर का भारत अभियान 326 ईसा पूर्व के आसपास हुआ, जिसने उत्तर-पश्चिमी भारत के छोटे-छोटे राज्यों को जीतने का प्रयास किया। राजा पोरस के साथ उसका प्रसिद्ध युद्ध हुआ। इस अभियान ने भारतीय राजाओं को एकजुट होने की 'importance' (महत्व) समझाई, जिससे बाद में मौर्य साम्राज्य के 'rise' (उदय) में मदद मिली।

उदाहरण 6. कौटिल्य की सहायता से चंद्रगुप्त मौर्य ने किस वंश का अंत करके मौर्य साम्राज्य की स्थापना की?

› सबसे पहले, यह समझना ज़रूरी है कि मौर्य साम्राज्य की स्थापना एक बड़े बदलाव को दर्शाती है।

› इतिहास बताता है कि चंद्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु और सलाहकार कौटिल्य के मार्गदर्शन में काम किया।

› कौटिल्य, धनानंद के 'unjust rule' से खुश नहीं थे और उन्होंने उसे बदलने का संकल्प लिया था।

› इस 'campaign' का लक्ष्य मगध पर राज कर रहे नंद वंश को हटाना था।

› तो, चंद्रगुप्त मौर्य ने नंद वंश के आखिरी राजा धनानंद को हराया।

उत्तर – चंद्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से नंद वंश का अंत करके मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

उदाहरण 7. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत के अनुसार, एक राज्य के सात अंगों में से किन्हीं तीन का वर्णन कीजिए।

› सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि 'सप्तांग सिद्धांत' क्या है। यह कौटिल्य द्वारा दिया गया राज्य के 'governance' का एक 'framework' है, जसिमें 'state' को 'सात' अनविार्य 'components' से मलिकर बना बताया गया है।

› अब, हम किन्हीं तीन 'अंगों' को चुनते हैं। मान लीजिए, हम 'राजा', 'अमात्य' और 'कोष' चुनते हैं।

› पहला अंग है 'राजा' (जिसे 'स्वामी' भी कहते हैं)। यह 'राज्य' का 'head' होता है, सबसे ऊपर, जो पूरे 'system' को चलाता है और 'decisions' लेता है। 'Ruler' का 'strong' और 'wise' होना बहुत ज़रूरी है।

› दूसरा अंग है 'अमात्य'। 'अमात्य' का मतलब है 'ministers' और 'high officials'। ये 'राजा' के 'advisors' होते हैं और 'administration' में मदद करते हैं। एक अच्छा 'state' तभी चलता है जब 'राजा' के पास अच्छे और 'honest' 'officers' हों।

› तीसरा अंग है 'कोष'। 'कोष' का मतलब है 'treasury' या 'wealth of the state'। 'राज्य' चलाने के लिए, 'defense' के लिए, 'public welfare' के लिए, 'money' की ज़रूरत होती है। 'Kosh' जितना भरा होगा, 'राज्य' उतना ही 'powerful' होगा और 'emergencies' का सामना कर पाएगा।

उत्तर – कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत के अनुसार, राजा, अमात्य और कोष राज्य के तीन महत्वपूर्ण अंग हैं। राजा राज्य का प्रमुख होता है, अमात्य राजा को सलाह देने वाले मंत्री और अधिकारी होते हैं, और कोष राज्य का खजाना होता है, जो राज्य के खर्चों और सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

उदाहरण 8. सम्राट अशोक के जीवन में 'कलिंग युद्ध' का क्या महत्व था? उन्होंने इसके बाद क्या निर्णय लिया?

› पहला चरण: 'कलिंग युद्ध' सम्राट अशोक द्वारा लड़ा गया एक प्रमुख युद्ध था, जिसमें उन्हें जीत तो मिली, लेकिन इसका 'human cost' बहुत ज़्यादा था, यानी इसमें हज़ारों लोग मारे गए और बहुत तबाही हुई।

› दूसरा चरण: इस भयंकर 'devastation' (तबाही) को देखकर अशोक का मन बहुत विचलित हो गया। उन्हें अपनी जीत से कोई खुशी नहीं मिली, बल्कि 'deep remorse' (गहरा पश्चाताप) हुआ।

› तीसरा चरण: इसी 'turning point' (मोड़) के बाद उन्होंने 'to renounce war forever' (हमेशा के लिए युद्ध त्यागने) का निर्णय लिया।

› चौथा चरण: उन्होंने 'instead chose the path of Dhamma' (इसके बजाय धम्म का मार्ग चुना), जो 'principles of peace, non-violence, and compassion' (शांति, अहिंसा और करुणा के सिद्धांत) पर आधारित था।

उत्तर – कलिंग युद्ध ने सम्राट अशोक के जीवन को पूरी तरह बदल दिया। इस युद्ध की भारी तबाही को देखकर उन्होंने हमेशा के लिए युद्ध त्याग दिया और महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरित होकर 'धम्म' के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया, यानी शांति, अहिंसा और नैतिक जीवन को अपनाया।

उदाहरण 9. अगर आपको मौर्य काल के जीवन और कला की कोई दो मुख्य बातें बतानी हों, तो आप क्या चुनेंगे और क्यों?

› पहला बिंदु है 'कृषि'। मौर्य काल में 'जनसंख्या का एक बड़ा भाग कृषि में संलग्न था', मतलब ज़्यादातर लोग खेती करते थे और 'एक वर्ष में दो फसलें बोई जाती थीं', जिससे 'लोगों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध था'। यह दिखाता है कि अर्थव्यवस्था का आधार खेती थी।

› दूसरा बिंदु है 'कला और वास्तुकला'। इसमें हम 'सारनाथ स्तंभ' का उदाहरण ले सकते हैं, जो 'अत्यधिक पॉलिश किए गए चमकदार स्तंभों' के लिए प्रसिद्ध था। इस पर चार सिंह हैं और 'धर्मचक्र' भी है, जो 'महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का प्रतीक' है। यह कला की बारीकी और धार्मिक महत्व को दर्शाता है।

उत्तर – मौर्य काल के जीवन की मुख्य बात कृषि थी, जो लोगों को भोजन सुरक्षा देती थी। कला में सारनाथ स्तंभ प्रमुख था, जो साम्राज्य की शक्ति और बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को दर्शाता था।

उदाहरण 10. प्राचीन भारतीय साम्राज्य के पतन में किन आंतरिक कारकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

› पहला 'factor' था 'weak rulers' या कमजोर शासक। जब किसी बड़े साम्राज्य का राजा 'strong' और 'capable' नहीं होता था, तो वो 'control' ठीक से नहीं रख पाता था।

› दूसरा, 'internal conflicts' या आंतरिक मतभेद। साम्राज्य के अंदर ही अलग-अलग प्रांतों या 'regions' के लोग अपनी 'independence' चाहते थे, और आपस में भी लड़ते रहते थे।

› तीसरा, 'lack of effective administration' या प्रभावी प्रशासन का अभाव। इतने बड़े साम्राज्य को चलाने के लिए एक अच्छा 'system' चाहिए होता है, पर जब वो 'system' कमज़ोर पड़ता था, तो 'corruption' बढ़ता था और लोग 'dissatisfied' हो जाते थे।

› चौथा, 'economic instability' या आर्थिक अस्थिरता। अगर राजा लोगों पर बहुत ज़्यादा टैक्स लगाता था या साम्राज्य की 'economy' ठीक नहीं चलती थी, तो लोग 'revolt' कर देते थे।

उत्तर – कमजोर शासक, आंतरिक संघर्ष (स्थानीय स्वतंत्रता की कोशिश), और प्रभावी प्रशासन व आर्थिक स्थिरता का अभाव मुख्य आंतरिक कारक थे।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'राज्य और साम्राज्य में अंतर' के रूप में पूछी जाती है, इसे अच्छे से समझ लेना।

• यह प्रश्न 'साम्राज्य की विशेषताएं' या 'साम्राज्य विस्तार के कारण' पर सीधा आ सकता है, इसलिए सभी बिंदुओं को अच्छे से समझकर जाना।

• श्रेणियों (गिल्ड्स) की परिभाषा और उनके कार्यों को अच्छे से याद कर लेना, क्योंकि यह अक्सर छोटे या मध्यम प्रश्न में पूछा जाता है।

• यह भाग 'मगध के उत्थान के कारणों' पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछता है, इसलिए 'geographical location', 'natural resources' और 'trade' जैसे बदिुओं को याद रखना।

• सिकंदर और राजा पोरस के युद्ध, और सिकंदर के अभियान के प्रभावों पर 'short notes' और 'questions' अक्सर पूछे जाते हैं। इसे अच्छे से तैयार करना।

• यह 'सप्तांग सिद्धांत' बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इसके 'components' और उनके 'role' के बारे में सीधे सवाल आते हैं, तो इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• कलिंग युद्ध, अशोक के धम्म और शिलालेखों पर आधारित प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में पूछे जाते हैं। इन बिंदुओं को अच्छे से समझकर जाना।

एक नज़र में रिवीज़न

› साम्राज्य = कई राज्यों का संघ, जिसका सर्वोच्च शासक 'सम्राट' होता है।

› साम्राज्य = केंद्रीय सत्ता, सेना, प्रशासन, संसाधन नियंत्रण, ज्ञान-कला प्रोत्साहन। विस्तार कारण = शक्ति, धन, पहचान।

› व्यापार, मार्ग और गिल्ड्स: साम्राज्य की आर्थिक रीढ़, संगठित व्यापारिक समूह।

› मगध: उपजाऊ भूमि, लोहा, हाथी; नंद वंश: महापद्मनंद, धनानंद का पतन।

› सिकंदर ने उत्तर-पश्चिमी भारत पर आक्रमण किया, पोरस से लड़ा, सेना लौटी, एकता का संदेश मिला।

› कौटिल्य का अर्थशास्त्र: राज्य के 7 अंग (सप्तांग) - राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दंड, मित्र।

› अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद हिंसा त्यागी, 'धम्म' अपनाया, शांति का मार्ग चुना।